



क्रिवाक स्टील्थ फ़िरगेट

 drishtiias.com/hindi/printpdf/krivak-stealth-frigates

पिरलिम्स के लिये

क्रिवाक स्टील्थ फ़िरगेट

मेन्स के लिये

भारत-रूस रक्षा संबंध

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नौसेना स्टाफ के उप-प्रमुख ने क्रिवाक या तलवार क्लास के दूसरे युद्धपोत के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया है।

पहले युद्धपोत का निर्माण कार्य जनवरी 2021 में शुरू किया गया था। इसे वर्ष 2026 में डिलीवर किया जाना है, जबकि दूसरे युद्धपोत को इसके छह महीने बाद डिलीवर किया जाएगा।



प्रमुख बिंदु

क्रिवाक या तलवार क्लास

- 'मेक इन इंडिया' के तहत गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) द्वारा रूस से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ क्वाक श्रेणी के स्टील्थ जहाज़ों का निर्माण किया जा रहा है। जहाज़ों के लिये इंजन की आपूर्ति यूक्रेन द्वारा की जा रही है।
 - अक्टूबर 2016 में भारत और रूस ने चार क्वाक या तलवार स्टील्थ फ़िंरगेट के लिये एक अंतर-सरकारी समझौते (IGA) पर हस्ताक्षर किये थे।
 - पहले दो युद्धपोत रूस के कैलिनिनग्राद में यंतर शिपयार्ड में बनाए जाएंगे, जबकि अन्य दो गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में बनाए जाएंगे।
- नए क्वाक फ़िंरगेट में वही इंजन और आर्मामेंट कॉन्फ़िगरेशन मौजूद हैं जो यंतर शिपयार्ड में निर्मित तीन युद्धपोतों - आईएनएस तेग, तरकश और त्रिकंद में शामिल हैं। ये ब्रह्मोस एंटी-शिप और लैंड अटैक मिसाइलों से लैस होंगे।

प्रयोग

इनका प्रयोग मुख्य रूप से दुश्मन देशों की पनडुब्बियों और बड़े सतही जहाज़ों को खोजने और नष्ट करने जैसे विभिन्न प्रकार के नौसैनिक मिशनों को पूरा करने के लिये किया जाएगा।

मौजूदा युद्धपोत

नौसेना पहले से ही छह क्वाक III फ़िंरगेट संचालित कर रही है। इसमें से पहले तीन जून 2003 और अप्रैल 2004 के बीच नौसेना के बेड़े में शामिल हुए, जबकि अन्य तीन अप्रैल 2012 और जून 2013 के बीच नौसेना के बेड़े में शामिल हुए। मौजूदा अनुबंध के साथ नौसेना 10 क्वाक युद्धपोतों का संचालन करेगी।

भारत-रूस रक्षा संबंध

पृष्ठभूमि

- रक्षा सहयोग भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।
- मौजूदा परियोजनाओं की स्थिति और सैन्य तकनीकी सहयोग के अन्य मुद्दों पर चर्चा तथा समीक्षा करने के लिये दोनों देशों के रक्षा मंत्री बारी-बारी से रूस और भारत में मिलते हैं।
- यद्यपि भारत इज़रायल, अमेरिका और फ़्रांस के साथ अपने आपूर्ति आधार का विस्तार कर रहा है, किंतु इसके बावजूद रूस अभी भी एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बना हुआ है।
- दोनों पक्ष सफलतापूर्वक AK-203 राइफल अनुबंध और 200 Ka-226T यूटिलिटी हेलीकॉप्टर आपूर्ति के कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।
- स्टिमसन सेंटर द्वारा प्रकाशित एक पेपर के अनुसार, भारत में वर्तमान में सैन्य सेवा में 86 प्रतिशत उपकरण, हथियार और प्लेटफॉर्म रूस के हैं।

संयुक्त अभ्यास

अभ्यास इंद्र, भारत और रूस के बीच एक संयुक्त त्रि-सेवा अभ्यास है।

भारत द्वारा तैनात रूस के सैन्य उपकरण

- **नौसेना**
नौसेना का एकमात्र सक्रिय विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य रूस से है। परमाणु हमले में सक्षम पनडुब्बी 'चक्र II' भी सेवा में है।

- थल सेना
 - सेना के टी-90 और टी-72 मुख्य युद्धक टैंक ।
 - S-400 द्रायम्फ मिसाइल सिस्टम ।
- वायुसेना
 - वायुसेना का Su30 MKI फाइटर ।

INDIA-RUSSIA DEALS IN THE PIPELINE



AKULA CLASS NUCLEAR-POWERED ATTACK SUBMARINE

\$3 bn or ₹21,000 cr
(to be delivered by 2026)
STATUS: Signed



KAMOV KA-226 LIGHT UTILITY HELICOPTERS

JV between HAL and Russian helicopters for production
(200 Kamov Ka-226)

\$1 bn or ₹ 7,000 cr
STATUS: MoU signed in June 2018



AK-203
\$1.6 bn or ₹ 12,000 cr
(700,000 rifles)

Indo-Russian joint venture to make AK-203 rifles at an idle Ordnance Board Factory in Korwa
STATUS: Signed. JV to be established soon

4 KRIVAK CLASS FRIGATES

Two built in Russia, two to be built at the Goa shipyard

\$2.5 bn or ₹ 17,000 cr
STATUS: Signed



18 ADDITIONAL SUKHOI SU-30MKI AIRCRAFT

\$700 mn or ₹ 5,000 cr
STATUS: Being negotiated

21 MOTHBALLED MIG-29 AIRFRAMES

\$800 mn
or ₹ 5,600 cr
STATUS: Being negotiated



10 KAMOV KA-31 AEW&C HELICOPTERS

\$500 mn or
₹ 3,600 cr
STATUS: Approved.
Contract yet to be signed



स्रोत: द हिंदू